भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †1099

सोमवार, 10 फरवरी, 2025/21 माघ, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

एसडीएस के तहत एफटीए से राजस्व

†1099. एडवोकेट गोवाल कागडा पाडवीः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत विदेशी पर्यटकों के आगमन (एफटीए) से अर्जित कुल राजस्व का वर्षवार और राज्यवार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या स्वदेश दर्शन योजना का कोई स्वतंत्र मूल्यांकन किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) पारिस्थितिकी संवेदनशील क्षेत्रों में सतत् और पर्यावरण अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय ने राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए वर्ष 2014-15 में अपनी 'स्वदेश दर्शन योजना' (एसडीएस) शुरू की थी। इस योजना के अंतर्गत, मंत्रालय ने देश में विभिन्न चिह्नित थीमों के अंतर्गत 76 परियोजनाएं स्वीकृत की हैं, जिनमें से 75 परियोजनाओं के वास्तविक रूप से पूर्ण होने की सूचना प्राप्त हुई है।

योजना के तहत विकसित परियोजनाओं के संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी संबंधित राज्य/संघ राज्यक्षेत्र की है और मंत्रालय इन परियोजनाओं के माध्यम से संबंधित राज्य/संघ राज्यक्षेत्र द्वारा उत्पन्न राजस्व का रिकॉर्ड नहीं रखता है।

पर्यटन मंत्रालय ने वर्ष 2019 में राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद के माध्यम से तीसरे पक्ष से स्वदेश दर्शन (थीम-आधारित पर्यटक परिपथ का एकीकृत विकास) के प्रभाव का मूल्यांकन करवाया था। अध्ययन में कहा गया है कि 'स्वदेश दर्शन योजना' आजीविका के अवसरों को

बढ़ावा देने और निर्माण चरण में स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार सृजित करने में सक्षम रही है।

पर्यटन मंत्रालय ने व्यापक समीक्षा के बाद अब इस योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 के नाम से नया रूप दिया है, जिसका उद्देश्य स्थायी और जिम्मेदारीयुक्त पर्यटन स्थलों को विकसित करना है और योजना के दिशानिर्देशों में प्रभाव मूल्यांकन सहित सुधार के लिए क्षेत्रों को चिह्नित किया गया है।

पर्यटन मंत्रालय ने स्थायी पर्यटन के लिए एक राष्ट्रीय कार्यनीति तैयार की है। कार्यनीति के अनुरूप, पर्यटन मंत्रालय ने मिशन लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट (एलआईएफई) के तहत एक क्षेत्रीय कार्यक्रम 'ट्रैवल फॉर लाइफ' लॉन्च किया। ट्रैवल फॉर लाइफ का उद्देश्य पर्यटन क्षेत्र में स्थिरता को मुख्यधारा में लाने को बढ़ावा देना, जागरूकता पैदा करना और पर्यटकों और पर्यटन व्यवसायों को प्रकृति के अनुरूप स्थायी प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

****